AI-1358

B. A. Private (Part-I)
Term End Examination, 2020-21

Paper : Second

SANSKRIT LITERTURE

Time Allowed : Three hours

Maximum Marks : 75

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर सुवाच्य अक्षरों में दीजिए।

इकाई-I

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** गद्यांशों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए— 20

(क) समतिक्रामत्सु दिवसेषु राजा चन्द्रा पीडस्य योवराज्याभिषेकं चिकीर्षु:प्रतीहारानु एवं पकरण सम्भारसंग्रहार्यमादिदेश। समुपस्थित यौवराज्याभिषेकं च तं कदाचिद्दर्श नार्थभागतमारूढ़ विनय मपि विनीततरभिच्छशुकनास: सविस्तर मुवाच—

(ख) उद्दामदर्पभटसहस्रोल्लासिता सिलता पञ्चर विघ्रिताप्य पक्रामति मदजलदुर्दिनान्धकारगज-वहितधन घटा परिपालितापि प्रण लायते। न परिचयं रक्षति। नाभिजन मीक्षते। न रूप मालो कयते। न कुलक्रम मनु वर्तते। न शीलं पश्यति। न वैदग्ध्यं गणयति। न श्रुतमाकर्णयति।

(ग) अपरे तु स्वार्थ निष्पादन परैर्धनपिसि तग्रास गृध्रैरास्थानन लिनीर्धूत वकैर्धूतं विनोद इति पर दाराभिगमनं वैदग्धामिति मृगयां श्रम इति पानं विलाष इति प्रमत्तां सौर्यमिति स्व दारपरित्याग मत्यसनितेति गुरू वचना वधीरणमपर प्रणेय त्वमिति अजित मृत्यतां सुखो पसेव्यत्वमिति।

इकाई-II

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** श्लोकों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए— 20

(क) श्रुतो हितापदेशोऽयं पाटवं, संस्कृतोक्तिषु।
वाचां सर्वत्र वैचित्र्यं नीतिविद्यां ददाति च॥

(ख) विद्या शास्त्रस्य शास्त्रस्य द्वे विद्ये प्रतिपत्तये।
श्राद्धा हास्याय वृद्धत्वे द्वितीयाद्रियते सदा॥

(ग) को धन्यो बहुभिः पुत्रैः कुशला पूरणा ढकैः।
वरमेकः कुलालम्बी यत्र विभ्रूयते पिता॥

(घ) अवश्यंभाविनो भावा भवन्ति महता मपि।
नग्नत्वं नीलकण्ठस्य महाहिशयनं हरेः॥

इकाई-III

3. सुवर्ण कंकणधारी बूढ़ा बाघ और मुसाफिर की कहानी लिखिए। 05

अथवा

आख्यायिका को अपने शब्दों में समझाइए।

इकाई-IV

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणियाँ लिखिए— 15

(क) ब्राह्मण

(ख) उपनिषद

(ग) वेद

(घ) पुराण

इकाई-V

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर प्रकाश डालिए— 15

(क) महाकवि कालिदास

(ख) भारवि

(ग) माघ

(घ) विशाखदत्त